655

Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

BAHL-301

हिन्दी साहित्य का इतिहास एंव काव्यशास्त्र

Bachelor of Arts (B.A.-12/16/17)

Third Year, Examination 2021 (Winter)

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 20 = 40]

P.T.O.

Q.1. भक्तिकालीन काव्य की विविध शाखाओं एंव उससे सम्बद्ध कवियों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

Q.2. रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि की विवेचना करते हुए उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

Q.3. द्विवेदी युगीन काव्य की मुख्य विशेषताओं एंव कवियों का वर्णन कीजिए।

Q.4. ध्वनि सम्प्रदाय पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

Q.5. पाश्चात्य साहित्य शास्त्र के उद्‌भव एंव विकास पर एक विस्तृत निबंध लिखिए।

खण्ड– ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 10 = 40]

Q.1. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन में जार्ज ग्रियर्सन के योगदान पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

Q.2. आदिकालीन काव्य की प्रमुख विशेषतओं को स्पष्ट कीजिए।

Q.3. प्रेममार्गी शाखा के कवियों का परिचय दीजिए।

Q.4. हिंदी गद्य के विकास में भारतेन्दु हरिश्चन्द के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

Q.5. रीतिमुक्त काव्यधारा पर प्रकाश डालिए।

Q.6. प्रगतिवाद पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

Q.7. रीति सम्प्रदाय का परिचय दीजिए।

Q.8. काव्य में अंलकार का महत्व स्पष्ट कीजिए।

———————————